ई-संसाधन

- ई-पुस्तकें और ई-प्रतिवेदन
- 90 से अधिक ई-पत्रिकाएं (वर्ष 2020 से)
- जे-गेट इन्फॉर्मैटिक्स के माध्यम से सभी विषयों की 58,800 से अधिक पत्रिकाएं (वर्ष 2018 से)
- 5000 से अधिक पत्रिकाएं और समाचार-पत्र - मैग्ज़टर गोल्ड के माध्यम से असीमित पहुंच
- 46,500 से अधिक वीडियो कैसेट (वर्ष 1992 से)
- 2,400 से अधिक ऑडियो कैसेट (वर्ष 1992 से 2011 तक)
- 31 ई-जीवनवृत्त (31 दिसम्बर 2021 की स्थिति के अनुसार)
- भारत के राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के 22 ई-चुनावी घोषणा पत्र
- ई-प्रतिवेदन
- फ्लिप-बुक्स
- ई-डाटाबेसः मनुपत्र और एससीसी ऑनलाइन
- ई-संसदीय प्रलेखन (हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण, वर्ष 2007 से)
- ई-समाचार क्लिपिंग: 06.12.2021 की स्थिति के अनुसार संसद ग्रंथालय की वेबसाइट/इंट्रानेट पर 6,80,800 से अधिक समाचार क्लिपिंग उपलब्ध हैं। (इसकी शुरुआत वर्ष 2009 से हुई)

सेवाएं और सुविधाएं

- दृश्य-श्रृव्य एवं प्रसारण
- ग्रंथालय में कम्प्यूटरीकृत सूचना
- प्रेस क्लिपिंग
- रिप्रोग्राफी और टंकण
- संसाधनों का आदान-प्रदान (ग्रंथालयों के बीच कुछ समय के लिए पुस्तकों का आदान-प्रदान)
- चुनिंदा पुस्तकों की प्रदर्शनी
- परिचालन फलक
- दृष्टिबाधित व्यक्तियों हेतु ऑडियो की सुविधा
- प्रलेखन
- माननीय सदस्यों हेतु पुस्तकों को घर पर ही उपलब्ध कराने की सुविधा
- प्रिज्म (संसद सदस्यों हेतु संसदीय शोध और सूचना संबंधी सहायता)

स्टाफ लाइब्रेरी

(क) लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 1960 के शुरुआती दशक में स्थापित
(ख) वर्तमान संग्रहः 34,300 से अधिक पुस्तकें, 11 समाचार-पत्र और 17 पत्र-पत्रिकाएं

बाल कक्ष

(क) 21 अगस्त 2007 में स्थापित इस कक्ष का उद्देश्य 8 से 17 आयु वर्ग के बच्चों में अध्ययन के प्रति रुचि विकसित करना है।
(ख) वर्तमान संग्रहः अंग्रेजी, हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं की 4100 से अधिक पुस्तकें तथा कुछ पत्र-पत्रिकाएं। साथ ही विभिन्न विषयों से संबंधित अनेक सीडी और डीवीडी भी यहां उपलब्ध हैं।

कार्य के घंटे और अवकाश

सत्रावधि के दौरान
सोमवार से शुक्रवार - पूर्वाह्न 9.00 बजे – सायं 7.00 बजे अथवा दोनों सभाओं के स्थगित होने के आधे घंटे के पश्चात् तक, इनमें से जो भी बाद में हो
शनिवार/रविवार और अन्य अवकाशों के दौरान (राष्ट्रीय अवकाशों तथा होली के अतिरिक्त)- पूर्वाह्न 10.00 बजे – अपराह्न 4.00 बजे तक

अंतर-सत्रावधि के दौरान
सोमवार से शुक्रवार - पूर्वाह्न 10.00 बजे – सायं 6.00 बजे तक

संपर्क करें

+91-11-23034654, 23034295
directorparlib-lss@sansad.nic.in
ap-lss@sansad.nic.in
@ParliamentLibraryofIndia
@parliamentlibrary
@parliament_lib
@lib_parliament

www.parliamentlibraryindia.nic.in

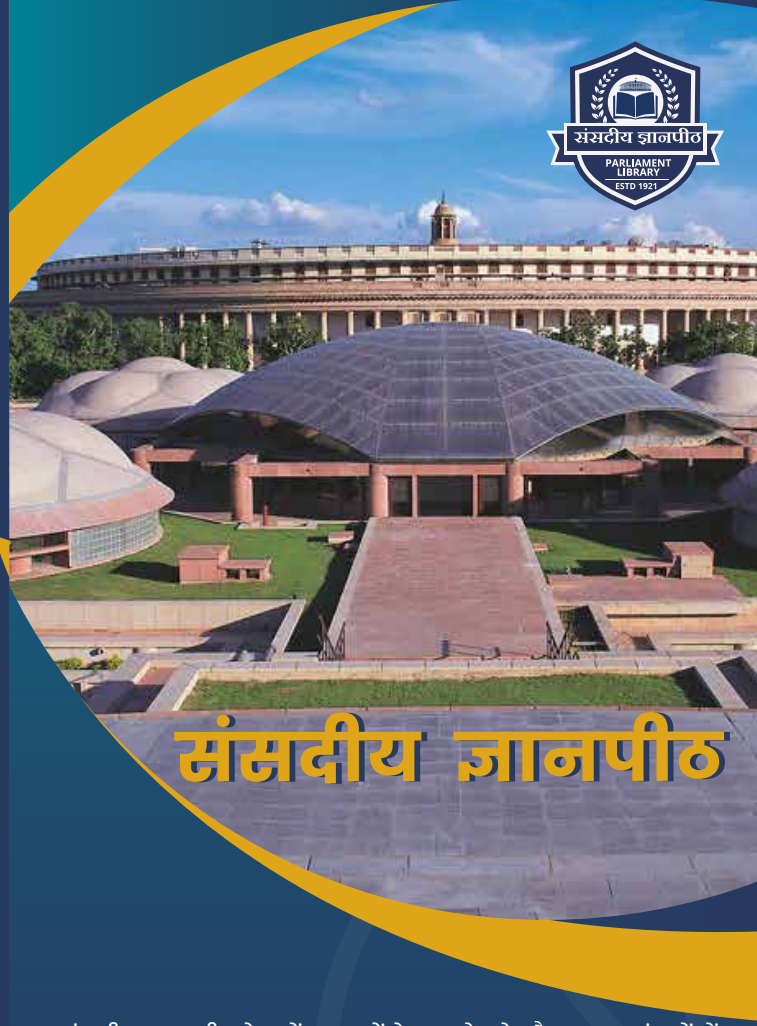

संसदीय ज्ञानपीठ

संसदीय ज्ञानपीठ देश में पुस्तकों के सबसे बड़े और समृद्ध भंडारों में से एक है। इसकी स्थापना वर्ष 1921 में तत्कालीन सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में भारतीय विधायिका के सदस्यों की सहायता के लिए की गई थी। नए संसदीय ज्ञानपीठ का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री के.आर. नारायणन ने 7 मई 2002 को किया था। इसके चार तल हैं और इसका कुल कवर्ड क्षेत्रफल 60,460 वर्ग मीटर है। यह भवन मॉड्यूलर और पूर्ण रूप से वातानुकूलित है तथा इसमें आधुनिक ज्ञानपीठ की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है।

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

प्रयोक्ता

- संसद के वर्तमान तथा भूतपूर्व सदस्य और भारत के राज्य विधानमंडलों के वर्तमान सदस्य
- भारत सरकार, राज्य सरकारों, सरकारी उपक्रमों और सांविधिक निकायों के अधिकारी
- लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधिकारी तथा दोनों सचिवालयों के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी
- भारत और दूसरे देशों के प्रामाणिक शोधकर्ता
- मान्यता प्राप्त प्रेस संवाददाता
- संसद सदस्यों के वैयक्तिक सहायक/निजी सचिव
- प्राइड के शोध अध्येता और इंटर्न तथा आम जनता

सदस्यता

- वर्तमान संसद सदस्य
- पूर्व संसद सदस्य 2500/- रूपए की जमानत राशि जमा करके ग्रंथालय से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।
- लोक सभा/राज्य सभा सचिवालयों के निदेशक तथा उनसे ऊपर के स्तर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी 10000/- रूपए की जमानत राशि जमा करके प्रारंभ में तीन वर्षों के लिए ग्रंथालय से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।

संग्रह

प्रकाशित पुस्तकों, प्रतिवेदनों, अधिनियमों तथा विधेयकों, सरकारी प्रकाशनों, संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदनों, वाद-विवादों, राजपत्रों तथा अन्य दस्तावेजों सहित लोक सभा/राज्य सभा सचिवालयों द्वारा प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों का कुल संग्रह लगभग 17 लाख है।

संस्थानिक सदस्यता

अंतर्राष्ट्रीय

आईएफएलए - इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन्स एंड इंस्टीट्यूशन्स

एपीएलएपी - एसोसिएशन ऑफ पार्लियामेंटरी लाइब्रेरीज़ ऑफ एशिया एंड द पेसिफिक

राष्ट्रीय

आईएलए - भारतीय ग्रंथालय संघ

डीईएलएनईटी (डेलनेट) - डेवलेपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क्स

विशिष्ट संकलन

'भारत का संविधान' (हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण) की मूल सुलिखित प्रति - राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली द्वारा नाइट्रोजन से भरे कांच के दो पात्रों में वर्ष 1994 से संरक्षित है। इनमे संविधान निर्माताओं के हस्ताक्षर हैं।

गांधी साहित्य - महात्मा गांधी के जीवन पर और उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकों को कक्ष सं. जी-048 (संसदीय ज्ञानपीठ) में रखा गया है। 09.08.1978 को इसका उद्घाटन किया गया।

नेहरू साहित्य - पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर और उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकों को कक्ष सं. जी-050 (संसदीय ज्ञानपीठ) में रखा गया है।

भारतीय क्षेत्रीय भाषाएं - 20 भारतीय क्षेत्रीय भाषाओं में 37,000 से अधिक पुस्तकें

अधिनियम एवं विधेयक -वर्ष 1836 से सभी केंद्रीय अधिनियम उपलब्ध हैं।

राजपत्र/वाद-विवाद - वर्ष 1856 से सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली, संविधान सभा, अंतरिम संसद, लोक सभा और राज्य सभा के वाद-विवाद उपलब्ध हैं। इनका डिजीटलीकरण भी किया गया है और ये www.eparlib.nic.in पोर्टल पर उपलब्ध हैं। चुनिंदा राज्य विधानमंडलों (आगरा, बंगाल, बिहार, बंबई, कोचीन, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मद्रास, उड़ीसा, अवध, पंजाब, राजस्थान, सौराष्ट्र तथा त्रावणकोर) और चुनिंदा विदेशी संसदों (ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, यू.के. और यू.एस.ए.) के वाद-विवाद, लोक सभा और राज्य सभा वाद-विवादों की अनुक्रमणिका, लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाहियों की मूल शब्दशः रिपोर्टिंग, लोक सभा की कार्यवाहियां, दोनों सभाओं के पटल पर रखे पत्रों की जिल्दबंद प्रतियां भी संदर्भ और शोध हेतु उपलब्ध हैं।

दुर्लभ और कला संबंधी पुस्तकें - यहां कला, चित्रकला, मूर्तिकला और वास्तुकला सहित राजनीति, विधि और इतिहास से संबंधित एक हजार से अधिक दुर्लभ पुस्तकों का समृद्ध संग्रह उपलब्ध है। वर्ष 1671 में प्रकाशित एफ. बर्नियर की पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ लेट रेवोल्युशन ऑफ द ग्रेट मुगल एंपायर' ग्रंथालय में उपलब्ध सबसे प्राचीन पुस्तक है।

संदर्भ पुस्तकें - विश्वकोश, राजपत्र, शब्दकोश, निर्देशिका, वार्षिकियां, पंचांग, मानचित्र इत्यादि संदर्भ हेतु ग्रंथालय में उपलब्ध हैं।

पुस्तकें - 31 दिसम्बर 2021 की स्थिति के अनुसार हिन्दी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं की 3,20,500 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।

समाचार पत्र- 88 (मुद्रित)

(क) अंग्रेजी – 28 (प्राचीनतम समाचार पत्रः टाइम्स, लंदन संस्करण 1947 और हिन्दू, चेन्नई संस्करण, 1947)
(ख) हिन्दी – 18 (हिन्दी का प्राचीनतम समाचार पत्रः हिन्दुस्तान, 1954)
(ग) क्षेत्रीय भाषाएं – 39
(घ) विदेशी समाचार पत्र – 3 (वर्ष 2020 से ऑनलाइन उपलब्ध हैं)

आवधिक पत्रिकाएं – 365

(क) अंग्रेजी 285 (प्राचीनतम आवधिक पत्रिकाः द इंडियन लॉ रिपोर्ट्स, 1913)
(ख) हिन्दी – 48 (प्राचीनतम आवधिक पत्रिकाः संसदीय पत्रिका, 1956)
(ग) क्षेत्रीय भाषाएं – 32

प्रतिवेदन और एलटी पत्र

(क) केंद्र सरकारः 1,54,800 से अधिक प्रतिवेदन (प्राचीनतम प्रतिवेदनः भारतीय विधि आयोग, 1842)
(ख) राज्य सरकारः 75,700 से अधिक प्रतिवेदन (प्राचीनतम प्रतिवेदनः बंगाल प्रोविंशियल कमेटी, 1929)
(ग) संयुक्त राष्ट्र और संबद्ध एजेंसियां: 47,800 से अधिक प्रतिवेदन (प्राचीनतम प्रतिवेदनः यू.एन. मॉनिटरिंग एंड फाइनेंशियल कांफ्रेंस, 1944)
(घ) विदेशी संसदः 49,600 से अधिक प्रतिवेदन (प्राचीनतम प्रतिवेदनः ट्रीटीज़ एंड अदर इंटरनेशनल एग्रीमेंट्स ऑफ द यू.एस.ए., 1945)
(ङ) सभा पटल पर रखे गए पत्र (वर्ष 1951 से लोक सभा वार); 5,000 से अधिक (30.11.2021 की स्थिति के अनुसार – 17वीं लोक सभा)